महालक्ष्मी चालीसा

॥ दोहा ॥

जय जय श्री महालक्ष्मी,

करू मात तव ध्यान।

सिद्ध काज मम कीजिए,

निज शिशु सेवक जान॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई ॥

नमो महालक्ष्मी जय माता,

तेरो नाम जगत विख्याता।

आदि शक्ति हो मात भवानी,

पूजत सब नर मुनि ज्ञानी।

जगत पालिनी सब सुख करनी,

निज जनहित भण्डारन भरनी।

श्वेत कमल दल पर तव आसन,

मात सुशोभित है पद्मासन।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

श्वेताम्बर अरु श्वेता भूषण,

श्वेतहि श्वेत सुसज्जित पुष्पन।

शीश छत्र अति रूप विशाला,

गल सोहे मुक्तन की माला।

सुन्दर सोहे कुंचित केशा,

विमल नयन अरु अनुपम भेषा।

कमलनाल समभुज तवचारी,

सुरनर मुनिजनहित सुखकारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अद्भुत छटा मात तवबानी,

सकलविश्व कीन्हो सुखरानी।

शान्ति स्वभाव मृदुलतव भवानी,

सकल विश्वकी हो सुखखानी।

महालक्ष्मी धन्य हो माई,

पंच तत्व में सृष्टि रचाई।

जीव चराचर तुम उपजाए,

पशु पक्षी नर नारि बनाए।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

क्षितितल अगणित वृक्ष जमाए,

अमितरंग फल फूल सुहाए।

छवि बिलोक सुरमुनि नरनारी,

करे सदा तव जय-जय कारी।

सुरपति औ नरपत सब ध्यावें,

तेरे सम्मुख शीश नवावैं।

चारहु वेदन तव यश गाया,

महिमा अगम पार नहिं पाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जापर करहु मातु तुम दाया,

सोई जग में धन्य कहाया।

पल में राजाहि रंक बनाओ,

रंक राव कर बिलम्ब न लाओ।

जिन घर करहु माततुम बासा,

उनका यश हो विश्व प्रकाशा।

जो ध्यावै सो बहु सुख पावै,

विमुख रहै हो दुख उठावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

महालक्ष्मी जन सुख दाई,

ध्याऊं तुमको शीश नवाई।

निजजन जानिमोहिं अपनाओ,

सुख सम्पत्ति दे सुख नसाओ।

ॐ श्री-श्री जय सुखकी खानी,

रिद्धिसिद्धि देउ मात जनजानी।

ॐ ह्रीं-ॐ ह्रीं सब ब्याधि हटाओ,

जनउन बिमल दृष्टि दर्शाओ।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ॐ क्लीं-ॐ क्लीं शत्रुन क्षय कीजै,

जनहित मात अभय वर दीजै।

ॐ जय जयति जय जननी,

सकल काज भक्तन के सरनी।

ॐ नमो-नमो भवनिधि तारनी,

तरणि भंवर से पार उतारनी।

सुनहु मात यह विनय हमारी,

पुरवहु आशन करहु अबारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ऋणी दुखी जो तुमको ध्यावै,

सो प्राणी सुख सम्पत्ति पावै।

रोग ग्रसति जो ध्यावै कोई,

ताकी निर्मल काया होई।

विष्णु प्रिया जय-जय महारानी,

महिमा अमित न जाय बखानी।

पुत्रहीन जो ध्यान लगावै,

पो सुत अतिहि हुलसावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

त्राहि त्राहि शरणागत तेरी,

करहु मात अब नेक न देरी।

आवहु मात विलम्ब न कीजै,

हृदय निवास भक्त बर दीजै।

जानूँ जप तप का नहिं भेवा,

पार करौ भवनिध बन खेवा।

बिनवों बार-बार कर जोरी,

पूरण आशा करहु अब मेरी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जानि दास मम संकट टारौ,

सकल व्याधि से मोहिं उबारौ।

जो तव सुरति रहै लव लाई,

सो जग पावै सुयश बड़ाई।

छायो यश तेरा संसारा,

पावत शेष शम्भु नहिं पारा।

गोविन्द निशिदिन शरण तिहारी,

करहु पूरण अभिलाष हमारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा ॥

महालक्ष्मी चालीसा पढ़े,

सुनै चित लाय।

ताहि पदारथ मिलै,

अब कहै वेद अस गाय॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा